Event :- C C A Activity ( Riddles)

Date:- 22/05/2020

Class 4

प्रिय बच्चों,

आज शुक्रवार है।कोरोना से लड़ते हुए दो महीने बीत चुके हैं और देश ने काफी हद तक इसमें सफलता भी पायी है ।आपलोग भी एक ही तरह के कार्य से उब चुके होंगे ।प्रधानाचार्य जी के आदेशानुसार आज के online study को मनोरंजक एवं प्रेरक बनाने का प्रयास किया गया है।प्रथम भाग में मेरे द्वारा लिखी हुई एक कविता प्रस्तुत कर रहा हूँ जो कि छात्रावास की बच्चियों पर अधारित है ।इस कविता के माध्यम से 2016 -17 में विद्यालय के छात्रावास में रहने वाले बच्चियों के गुण एवं विद्यालय के साथ उनका संबंध को प्रस्तुत करने का एक छोटा सा प्रयास किया गया है ।अभी बहुत सारी बच्चियाँ यहाँ से पढ़ के आगे

की पढाई के लिए अपनी अगली मंज़िल की और बढ़ चुके हैं ।मैं पांच साल से कैंपस में रहा हूँ तो विद्यापीठ परिवार में और शिक्षक की अपेक्षा ज्यादा समय दिया है एवं उसी अनुभव को लिखने का प्रयत्न किया है ।मैं कोई बड़ा कवि नही हूँ बसलिखने का शौक है ।मैंने कविता लिखना इस विद्यालय से जुड़ने के बाद ही शुरु किया ।सभी बच्चे कविता लिख सकते हैं बस शर्त यही है कि जिस विषय पर आप कविता लिख रहे हैं उसमे आपका deep interest होना चाहिए ।सभी students अपने पसंदीदा विषय पर एक स्वरचित कविता लिखे एवं मेरे द्वारा स्वरचित कविता का आनन्द उठायें । भाषा में त्रुटि के लिए क्षमा ।

## छात्रावास की बच्चियाँ

विद्यापीथ की शान हैं छात्रावास की बच्चियाँ ,

विद्यापीथ की अभिमान है छात्रावास की बच्चियाँ,

शिक्षक का अरमान हैं छात्रावास की बच्चियाँ ,

मेरा भी सम्मान है छात्रावास की बच्चियाँ ।

माना कि नादान है छात्रावास की बच्चियाँ ,

थोड़ी सी शैतान है छात्रावास की बच्चियाँ ,

डूब के इनके मन में देखो

अंदर से इन्सान हैं छात्रावास की बच्चियाँ ।

आस्था और अलीशा ताकत है इनकी

आदर्श हैं इसकी स्वीकृति ।

निगाहें उठाएँ, गर सर्वश्रेष्ठ,

खड़ी उतरती केवल स्मृति ।

यूँ तो श्रेष्ठ सभी है यहाँ,

सबमें है एक असाधारण गुण ।

शिवांगी में है नृत्य वसती,

सिमरन मे बसती संगीत की धुन ।

छात्रावास की बच्चियाँ विद्यापीथ के सितारे हैं ,

अपने माता पिता के दुलारे हैं ।

यूँ तो हम भी हैं अपनों से दूर,

पर शान से कहते है ये हमारे हैं ।

घर से दूर हैं विजय की चाह में,

कांटे पग पग पर हैं इनके राह में ।

मिला है जिम्मा हमसब को  पथ प्रदर्शन करने का,

इनके हौसलों में उड़ान भरने का ।

आशाओँ की समुंदर है छात्रावास की बच्चियाँ,

बाधाओं की hunter हैं छात्रावास की बच्चियाँ ।

क्यूँ नहीं गर्व करे विद्यपीथ,

विद्यापीठ की सिकन्दर है छात्रावास की बच्चियाँ

विद्यापीठ की सिकन्दर है छात्रावास की बच्चियाँ ।

धन्यवाद ।

विद्यापीठ की छात्रावास की बच्चियाँ हो या out sider असली सिकन्दर यहाँ की बच्चियाँ ही हैं और हो भी क्यूँ ना ।

आज बच्चे , आपलोग रोज की तरह  कोरोना को हराते हुए कुछ मज़ेदार पहेलियाँ को हल करेँगे ।फिर कल से मुख्यविषय की और बढेंगे।

1. एक फुल है हरे रंग का, सिर पर सदा सुहाए । तेज धूप में खिल खिल जाता पर छाया में मुरझाए ।
2. रमेश से 100 रुपये के छुट्टे मांगे गये और शर्त यह रखी गयी कि उसमे 10 रुपये के नोट ना हो।तो बताओ रमेश ने उसे छुट्टे कैसे दिये?
3. 1 रुपया की 40 चिडियाँ,3 रुपये का एक कबूतर और 5 रुपये का एक मुर्गा तो बताओ 100 रुपये में 100 पक्षी कैसे आयेंगे?

4.अगर आप एक अंधरे कमरे में एक मोमबत्ती,एक लालटेन और एक दीया के साथ हैं तो आप सबसे पहले किसे जलाएंगे?

5.हरा चोर लाल मकान, उसमें बैठा काला शैतान गर्मी में वह दिखता सर्दी में वो गायब हो जाता ।

वर्ग शिक्षक

रोहित कुमार